Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding declaration of Sohigibarwa wildlife sanctuary as Tiger reserve in Maharajganj, Uttar Pradesh.

श्री पंकज चौधरी (महाराजगंज): महोदय, उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जनपद में भारत और नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित सोहगीबरवा वन्य जीव अभ्यारण्य को वर्ष 1987 में संरक्षित वन क्षेत्र घोषित किया गया। इस वन क्षेत्र का क्षेत्रफल 42,820 हेक्टेयर है। यह प्राकृतिक रूप से उत्तर में नेपाल राष्ट्र के चितवन नेशनल पार्क एंव पूर्व में बिहार के वाल्मीकी टाइगर रिज़र्व के साथ जुड़ा हुआ है। अनेक छोटी-बड़ी नदियां सोहगीबरवा वन्य जीव प्रभाग से हो कर गुजरती हैं। नदियों, नालों के अतिरिक्त प्राकृतिक रूप से जंगल के अंदर कई ताल हैं। जिनमें दर्जीनिया ताल में मगरमच्छों का वास है। इस अभ्यारण के अंदर दो बड़े घास के मैदान भी हैं, जिनका क्षेत्र 3942 हेक्टेयर में विद्यमान है। इस वन्य जीव अभ्यारण में बाघ साहित अनेकों प्रकार के मांसाहारी व शाकाहारी जानवरों का प्राकृतिक वास है। इसके अतिरिक्त अनेकों प्रकार के पक्षी व प्रवासी पक्षी प्रवास करते हैं। इस वन में प्रमुख रूप से साल, सागौन, साखू, बेंत के अलावा अनेकों प्रकार के वृक्षों तथा अनेकों प्रकार की औषधीय प्रजातियों के पेड़-पौधे प्रचुर मात्रा में विद्यमान हैं। यह नेपाल के पहाड़ी क्षेत्र से सटा हुआ है। इस क्षेत्र में भगवान बुद्ध से संबंधित अनेकों ऐतिहासिक स्थल मौजूद हैं और सरकार ने हाल ही में कुशीनगर को अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट घोषित किया है जो इस क्षेत्र से मात्र 50 किलोमीटर की दूरी पर है।

राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को भगवान बुद्ध के ऐतिहासिक स्थलों के साथ-साथ टाइगर रिज़र्व के माध्यम से पर्यटन का अवसर मिलेगा और स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा।

अत: मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि बाघों के लिए पूरी तरह से उपयुक्त सोहगीबरवा वन्य जीव संरक्षित क्षेत्र को टाइगर रिज़र्व घोषित करने की कृपा करें।

माननीय अध्यक्ष:

श्री मलूक नागर को श्री पंकज चौधरी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

…(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Hon. Members, kindly be seated.

… (*Interruptions*)